Seventeenth Loksabha

p>

Title: Regarding inquiry into the death case of Bethand village in Rajnandgoan Parliamentary Constituency, Chattisgarh.

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): माननीय सभापति महोदया, छत्तीसगढ़ को शांति का टापू कहा जाता है और छत्तीसगढ़ अशांत होता जा रहा है । ऐसा न हो कि एक प्रदेश को जिस प्रकार से कहते हैं, छत्तीसगढ़ को भी उड़ता छत्तीसगढ़ कहने लगें । आज नशाखोरी जिस प्रकार से बढ़ी है और जिस प्रकार से लूट और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं, यह पूरे छत्तीसगढ़वासियों के लिए चिंता की बात है । अभी छत्तीसगढ़ में बहुत ही दर्दनाक घटना हुई है । विगत हफ्ते दुर्ग जिले के बठेना गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या हुई है । एक चिता बनाई गई और मां-बेटी को तार से बांधकर उस पर जलाया गया और पिता तथा पुत्र के शव फांसी से लटके हुए मिले थे, किन्तु वास्तव में उनके हाथ पर फफोले थे और शरीर के कई अंग जले हुए थे ।

यह ऐसी लोमहर्षक घटना है, यह आत्महत्या नहीं है, यह हत्या है और यह पूरे छत्तीसगढ़ का कहना है । वह क्षेत्र हमारे प्रदेश के सम्माननीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री का क्षेत्र है । इसके साथ-साथ, दो दिन पहले फिर एक घटना हुई । मेरे लोक सभा क्षेत्र के कवर्धा जिले में अवरोल के अंतर्गत हुई है, जिसमें एक आदिवासी युवती अम्बिका प्रत्यय जली हुई अवस्था में मिली । उनकी भी हत्या हुई है । इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच की जाए । वहाँ की जनता, जो व्यथित है, आक्रोशित है, उनको यह विश्वास दिलाया जाए कि न्याय होगा । यह मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ ।